बहुत होशियारी दिखाई फिर भी अपने ही जाल में फंस गई बच्चा चोर

संवाद न्यूज एजेंसी

बदायूं। एक साल के बच्चे को चुराने और बेचने के रैकेट की मुख्य आरोपी खुशबू ने योजनाबद्ध तरीके से सारा काम किया, लेकिन डिजिटल साक्ष्य छोड़ती चली गई। तकनीक आधारित पुलिसिंग की बदौलत टीम ने न केवल उसे गिरफ्तार कर रैकेट का खुलासा कर दिया बल्कि बच्चे को भी तलाश लिया।

बच्चे को चुराने पहुंची खुशबू बिल्सी के पास निजी अस्पताल में नर्स है। एएनएम का कोर्स कर वह काफी समय से बदायूं जिले में नौकरी कर रही है। उसे जिले की भौगोलिक समझ है और रास्तों से परिचित है। बच्चा चोरी करने के दौरान वह सज संवरकर शादी समारोह में पहुंच गई थी। यहां उसका कोई परिचित नहीं था लेकिन वह महिलाओं के बीच जाकर जल्दी घुलमिल गई। इस दौरान उसने कमरों में जाकर सोता हुआ वह बच्चा भी चिह्नित कर लिया।

बच्चे की बुआ से उसने दोस्ती कर ली। कार्यक्रम के दौरान जब बच्चे की बुआ के मोबाइल में अच्छी सेल्फी नहीं आ रही थी तो उन्होंने खुशबू के मोबाइल से सेल्फी ले ली। इसके बाद उनकी जिद पर खुशबू ने बच्चे की बुआ को अपने नंबर से फोटो सेंड कर दिया। जब बच्चा चोरी के बाद सीसीटीवी के वीडियो फुटेज में खुशबू का चेहरा दिखा तो बच्चे की बुआ ने उसे पहचान लिया।

उन्होंने उसका वह मोबाइल नंबर भी पुलिस को दे दिया जिससे फोटो उन्हें भेजा गया था। पुलिस जांच में यह अहम कड़ी रही। इसके बाद कासगंज में खुशबू के इसी मोबाइल नंबर से पेट्रोल पंप पर भी पेमेंट किया गया। पुलिस ने इसी नंबर को सर्विलांस पर लगाकर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता पा ली।

कई दिन से बच्चा चोरी की कोशिश में थी खुशबू : एसपी ग्रामीण डॉ. हृदयेश कठेरिया ने बताया कि आरोपी ने बच्चा खरीदने वाले दंपती को आश्वासन दिया था कि वह इसके सही कागजात बनवाकर उसे दे देंगे। खुशबू कई दिन से बच्चा चोरी करने की कोशिश में थी। घटना वाली रात वह एक अन्य कार्यक्रम में भी गई थी। वह मुस्लिम समाज का कार्यक्रम था तो भीड़ ज्यादा होने से वहां बच्चा चोरी नहीं कर सकी।

एक साल के सौरभ व उसकी मां शांति के साथ एसएसपी। स्रोत- पुलिस

बेटे से मिलते ही फफक पड़ी मां, लगा लिया गले

एक साल के बच्चे सौरभ की मां शांति को जैसे ही कलेजे का टुकड़ा मिला वह फफक पड़ीं और उसे गले से लगा लिया। इनके तीन बच्चों अवि व ध्रुव में सौरभ सबसे छोटा है। पति भूखन खेती करते हैं।

एसएसपी बोलीं- समारोह में बच्चों को न छोड़ें अकेला

एसएसपी अंकिता शर्मा ने बच्चे को दुलारते हुए उसे खिलौने व चॉकलेट दिए। एसएसपी ने लोगों से अपील की कि वैवाहिक समारोहों में अपने बच्चों की देखरेख करें। फोटो खिंचवाने या फिर कार्यक्रम में शामिल जरूर हो लेकिन अपने बच्चों का भी विशेष ध्यान रखें तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है।

दो सौ सीसीटीवी के फुटेज व वीडियो और डिजिटल साक्ष्यों ने पकड़वाया

एसएसपी अंकिता शर्मा के मुताबिक टीम ने तकनीकी पुलिसिंग का भी बखूबी प्रयोग किया। करीब दो सौ सीसी कैमरों के फुटेज के वीडियो, वाहन के नंबरों, सर्विलांस व अन्य डिजिटल साक्ष्यों से पुलिस असली आरोपियों व बच्चे तक पहुंच सकी। दरअसल खुशबू बच्चा अपहरण करने के बाद कार ड्राइवर के साथ कासगंज होते हुए आगरा गई। पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज के वीडियो देखे तो पता लगा कि कासगंज के एक पेट्रोल पंप पर तेल डलवाने के बाद यह लोग आगे गए। इनके फोटो भी वहां कैद हुए।

ये आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार अभियुक्तों में जिला बुलंदशहर के थाना छतारी में गांव रामनगर निवासी खुशबू पुत्री ज्ञान सिंह, वहीं के थाना अनूपशहर के गांव भोपतपुर निवासी मुनेश, आगरा के थाना सदर में मोहल्ला सुखधाम कॉलोनी निवासी दिनेश, इसी मोहल्ले की पूजा पत्नी मुकेश व आगरा में थाना ताजगंज निवासी बबली पत्नी सोनू शामिल हैं। मुनेश के खिलाफ जिला बुलंदशहर में एक मामला पहले से दर्ज है।

पुलिस हिरासत में बच्चा चुराने के आरोपी। स्रोत : पुलिस

बच्चे का करवा दिया मुंडन, घर में कराया पूजा-पाठ

बच्चे को खरीदने वाले सोनू शाक्य की पत्नी को शादी के 12 साल बाद भी कोई बच्चा नहीं हुआ था। इसके बाद उन्होंने बच्चा खरीदने की योजना बनाई। इन लोगों का खुशबू से परिचय हुआ तो 70 हजार रुपये में बच्चा देने की बात तय हुई। खुशबू ने कहा था कि वह अस्पताल में काम करती है और कई ऐसे लोग उसके संपर्क में आते हैं जो अपना बच्चा बेचना चाहते हैं। तब सोनू ने उसे ऑनलाइन 20 हजार रुपया दे दिया जबकि 50 हजार उधार था। कुछ दिन तक बच्चा न मिलने पर जब दबाव बढ़ा तो खुशबू ने यह योजना बनाई। बच्चा मिलने के बाद सोनू ने उसका मुंडन संस्कार करवा दिया। इसके बाद घर में पूजा-पाठ भी कराया। इस मामले में सोनू अभी भागा हुआ है। उसकी पत्नी की गिरफ्तारी हो चुकी है।

मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी गिरफ्तार, बाएं पैर में लगी गोली

जहानाबाद में रिटायर्ड शिक्षक से 9 मार्च को हुई लूट के बाद से फरार चल रहा था आरोपी

कार्रवाई

पीलीभीत, संवाददाता। बरेली हाईवे पर व्यापार मंडल तिराहे के समीप हुई पुलिस मुठभेड़ में जहानाबाद पुलिस ने लूट के मामले में फरार चल रहे 50 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी है। गिरफ्तार बदमाश जनपद कुशीनगर का निवासी है। उसके दो साथियों को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

नौ मार्च को थाना जहानाबाद क्षेत्र में सेवानिवृत्त अध्यापक श्याम बिहारी लाल के साथ चार अज्ञात बदमाशों द्वारा कार में बैठाकर उनसे 23 हजार रुपये की लूट कर ली गई थी। शिक्षक की तहरीर पर थाना जहानाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी थी।

20 मार्च को जहानाबाद पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपी धर्मेन्द्र पुत्र रामभरोसा निवासी ग्राम अहरौली थाना कसया जनपद कुशीनगर और मेईनुद्दीन पुत्र मकसूद निवासी ग्राम अहरौली थाना कसया जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया था। दो बदमाश फरार चल रहे थे। 18 अप्रैल को रात में पुलिस ने एक सूचना के आधार पर फरार चल रहे बदमाश सहादत पुत्र इश्तियाक निवासी अहरौली थाना कसया जनपद कुशीनगर की जनपद के थाना जहानाबाद क्षेत्र के व्यापार मंडल तिराहे पर घेराबंदी की। अपने आप को घिरता देखकर बदमाश ने पुलिस के पर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से एक तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद हुई है। बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी ने 50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। प्रभारी निरीक्षक जहानाबाद प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया अवैध शस्त्र मिलने के संबंध में अलग से थाना जहानाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश।